प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

पंतनगर किसान मेले में कोविड-19 के दिशा-निर्देशों का किया जायेगा पालन

पंतनगर। 10 मार्च 2021। विश्वविद्यालय का 109वां अखिल भारतीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी 22–25 मार्च 2021 को आयोजित होगा। निदेशक प्रसार शिक्षा, डा. अनिल कुमार शर्मा ने बताया कि इस किसान मेला में स्टाल लगाने के लिए फर्मों के पंजीकरण प्रारम्भ हो गये हैं। देश के विभिन्न राज्यों से विभिन्न उत्पादों की बिक्री हेतु बड़ी संख्या में निजी फर्म मेले में अपना स्थान सुरक्षित कराने हेतु पंजीकरण करा रही हैं। डा. शर्मा ने बताया कि मेले में विभिन्न उत्पादों, जैसे कृषि मशीनरी यथा, ट्रैक्टर, कम्बाइन हार्वेस्टर, पावर टिलर, प्लान्टर, सब-स्वायलर, सिंचाई यंत्र व अन्य आधुनिक यंत्र; कृषि रसायन यथा, कीटनाशी, खरपतवारनाशी व रोगनाशी; उर्वरक; पशु पोषण व पशुचिकित्सा उत्पाद; औषधीय पौध उत्पाद; बीज एवं पौध इत्यादि से सम्बन्धित फर्म अपने स्टाल लगाकर किसानों को अपने उत्पाद की जानकारी देने के साथ-साथ बिक्री भी करती हैं। इनके अतिरिक्त हस्तकला, ग्रामीण उद्योग, प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ, सूचना एवं प्रौद्योगिकी, घरेलू उत्पाद, सौर ऊर्जा प्रयोग के उत्पाद इत्यादि से सम्बन्धित फर्म भी मेले में अपने स्टाल लगाती हैं। विभिन्न बैंक, कृषि से सम्बन्धित शोध संस्थान, प्रकाशक व अन्य सरकारी व निजी क्षेत्र के संस्थान भी मेले में प्रतिभागिता कर अपनी-अपनी योजनाओं, उपलब्धियों व उत्पादों का प्रचार किसानों व मेले में आये अन्य आगंतुकों के बीच करते हैं।

डा. शर्मा ने बताया कि कोविड-19 महामारी को दृष्टिगत रखते हुए इस वर्ष मेले में पूर्व की भांति रात्रि विश्राम की व्यवस्था नहीं की जा रही है। उन्होंने बताया कि मेले के प्रथम तीन दिन प्रातः 10:00 से सायं 05:00 बजे तक कृषि संबंधित समस्याओं का समाधान हेतु कृषि क्लीनिक सेवा संचालित की जायेगी। उन्होंने यह भी बताया कि किसान मेले में 65 वर्ष से ज्यादा वृद्ध एवं 10 वर्ष से कम आयु के बच्चे तथा ऐसे व्यक्ति जिन्हें कोई अन्य बीमारी हो वे कार्यक्रम में उपस्थित नहीं होंगे। उन्होंने अनुरोध किया कि आगंतुक अपने साथ मास्क, साबुन, सेंनेटाइजर, शॉल एवं चादर इत्यादि रखें साथ ही मेले में भ्रमण के दौरान सामाजिक दूरी को भी बनाकर रखे। डा. शर्मा ने बताया कि मेले की तैयारियां जोरों पर हैं तथा मेले के लिए गठित सभी समितियों द्वारा अपने-अपने कार्यों को आवश्यकतानुसार पूर्ण किया जा रहा है।